डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर

DFC News

डीएफसी समाचार

डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
भारत सरकार (रेल मंत्रालय) का उपक्रम
WE BELIEVE IN SINCERITY, SPEED & SUCCESS

वर्ष 7, अंक 24 जुलाई-सितम्बर, 2016

डीएफसी के निर्माण कार्यों में आई और तेजी पूंजीगत व्यय में 148% की वृद्धि

डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोरों के निर्माण कार्यों में इस वित्तीय वर्ष के दौरान उल्लेखनीय तेज़ी देखने को मिल रही है। निर्माण कार्यों में आई तेज़ी पूंजीगत व्ययों में हुई बढ़ोतरी के रूप में साफ़ देखी जा सकती है। मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल–सितंबर 2016 छमाही के दौरान डीएफसी ने रु. 4500 करोड़ के पूंजीगत खर्च किए हैं, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष में इसी छमाही के दौरान पूंजीगत मदों में रु.1815 करोड़ खर्च हुए थे। इस प्रकार डीएफसी ने पूंजीगत व्ययों में 148% की बढ़ोतरी दर्ज की है। वर्ष 2016–17 के दौरान कुल रु.11,028 करोड़ के पूंजीगत व्ययों का अनुमान है।

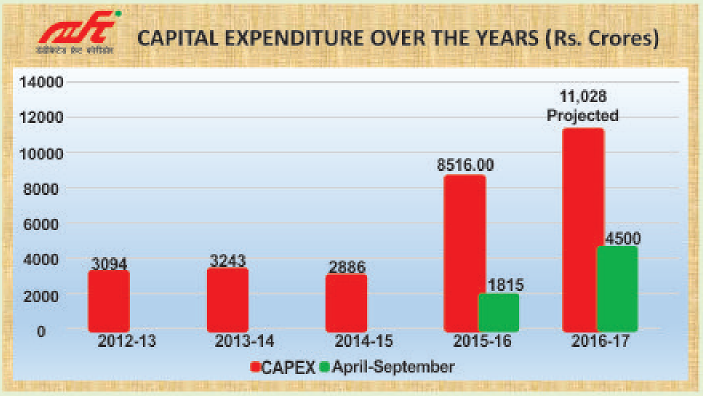

डीएफसी ने जीता गोल्डन पीकॉक अवार्ड

डीएफसीसीआईएल ने वर्ष 2016 का प्रतिष्ठित Golden Peacock Award for Sustainability जीत कर एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है। खास बात यह भी है कि डीएफसीसीआईएल ने यह उपलब्धि अपने पहले ही प्रयास में हासिल की है। डीएफसीसीआईएल को यह पुरस्कार ट्रांसपोर्ट सेक्टर के अंतर्गत दिया गया है। गोल्डन पीकॉक अवार्ड की शुरूआत इंस्टीट्यूट ऑफ डायरेक्टर्स द्वारा वर्ष 1991 में की गई थी और इस अवार्ड को दुनिया भर में कॉर्पोरेट उत्कृष्टता के मानदंड के तौर पर माना जाता है। डीएफसीसीआईएल की इस उपलब्धि ने ट्रांसपोर्ट सेक्टर में उसकी ब्रांड इमेज को और मजबूती प्रदान की है। इस अवार्ड के विजेता के तौर पर अगले एक साल तक डीएफसीसीआईएल गोल्डन पीकॉक का Logo अपनी सभी प्रमोशनल सामग्री पर इस्तेमाल कर सकेगा। डीएफसीसीआईएल के ग्राहकों और आपूर्तिकर्ताओं के लिए यह पुरस्कार कंपनी की गुणवत्ता और विश्वसनीयता का बहुत बड़ा प्रमाण है। यह अवार्ड 18 अक्टूबर 2016 को लंदन में विशेष रूप से आयोजित समारोह में दिया गया।

डीएफसीसीआईएल की 10वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम)

डीएफसीसीआईएल की 10वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) 26.09.2016 को नई दिल्ली स्थित कॉर्पोरेट कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता श्री ए. के. मित्तल, अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड एवं अध्यक्ष, डीएफसीसी–आईएल ने की। बैठक में कंपनी के सामान्य कामकाज पर चर्चा की गई, जिसमें श्री आदेश शर्मा, प्रबंध निदेशक, श्री देवेंद्र सिंह, कार्यकारी निदेशक, नियोजन (राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत), श्री अंशुमन शर्मा, निदेशक, परियोजना नियोजन, श्री एच. डी. गुजराती, निदेशक, परिचालन एवं व्यवसाय विकास, श्री डी. एस. राणा, निदेशक, अवसंरचना, श्री एम. के. मित्तल, निदेशक, वित्त एवं कंपनी के अन्य सदस्यों ने भी हिस्सा लिया।

भारतीय रेल के साथ MoU

डीएफसीसीआईएल और रेल मंत्रालय के बीच वर्ष 2016–17 के लिए एक समझौता ज्ञापन पत्र (एमओयू) पर दिनांक 26.09.2016 को हस्ताक्षर किए गए। डीएफसीसीआईएल की तरफ से प्रबंध निदेशक श्री आदेश शर्मा और रेल मंत्रालय की तरफ से रेलवे बोर्ड के सचिव श्री आर. के. वर्मा ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर डीएफसीसीआईएल के निदेशक, परियोजना नियोजन श्री अंशुमन शर्मा, निदेशक, परिचालन एवं व्यवसाय विकास श्री एच. डी. गुजराती, निदेशक, वित्त श्री एम. के. मित्तल एवं रेलवे बोर्ड के ईडी, पीएसयू श्री ए.पी. द्विवेदी भी मौजूद थे।

यह एमओयू डीएफसीसी परियोजनाओं की विभिन्न महत्वपूर्ण गतिविधियों के लिए लक्ष्यों को निर्धारित करता है। इसके अतिरिक्त यह एमओयू परियोजना के कार्यान्वयन के लिए यथोचित निधियों को समयबद्ध जारी करने, भूमि अधिग्रहण और डीएफसीसीआईएल में कार्य करने के लिए रेलवे अधिकारियों की कार्यकाल के आधार पर प्रतिनियुक्ति में भी मदद करेगा।

एमओयू पर हस्ताक्षर के दौरान उपस्थित रेलवे बोर्ड एवं डीएफसीसीआईएल के अधिकारी गण

रु.631 करोड़ के सिग्नलिंग और टेलीकॉम कॉण्ट्रैक्ट पर हस्ताक्षर

कॉण्ट्रैक्ट समझौते पर हस्ताक्षर के दौरान उपस्थित डीएफसीसीआईएल के अधिकारीगण एवं मेसर्स सोजित–एल ऐंट टी कन्सॉर्शयम के पदाधिकारी गण

डीएफसीसीआईएल ने पश्चिमी डीएफसी में निर्माण कार्य की गति को और तेज करते हुए एक बड़े कॉण्ट्रैक्ट समझौते पर हस्ताक्षर किया है। यह कॉण्ट्रैक्ट वडोदरा–जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट सेक्शन में सिग्नलिंग और टेलीकॉम कार्यों के लिए मेसर्स सोजित–एल ऐंड टी कन्सॉर्शयम को रु. 631 करोड़ में अवॉर्ड किया गया था। स्कोप और लागत की दृष्टि से यह कॉण्ट्रैक्ट देश के सिग्नलिंग और टेलीकॉम के सबसे बड़े कॉण्ट्रैक्टों में से एक है।

422 रूट किलोमीटर की लंबाई वाले, इस डबल लाइन, ऑटोमैटिक सिग्नलिंग सेक्शन के लिए डिजाइन–बिल्ड लंप सम प्राइस बेसिस पर कॉण्ट्रैक्ट दिया गया है। इस कॉण्ट्रैक्ट पर 10.08.2016 को, प्रबंध निदेशक श्री आदेश शर्मा की मौजूदगी में, डीएफसीसीआईएल की तरफ से निदेशक, अवसंरचना श्री डी. एस. राणा, मेसर्स सोजित कॉर्पोरेशन, जापान की तरफ से श्री आर. युआसा और एल ऐंड टी लिमिटेड की तरफ से श्री वी. मोहन सुंदरम ने हस्ताक्षर किए।

इस कॉण्ट्रैक्ट के तहत् दिए गए कार्यों में सभी प्रकार की अत्याधुनिक सिग्नलिंग और टेलीकॉम प्रौद्योगिकी जैसे– इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग, मल्टी–सेक्शन डिजिटल एक्सल काउंटर, ट्रेन मॉनिटरिंग ऐंड डायग्नोस्टिक सिस्टम, फाइबर ऑप्टिक कम्युनिकेशन सिस्टम तथा जीएसएम–आर आदि शामिल हैं।

हिंदी पखवाड़ा एवं राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

डीएफसीसीआईएल में दिनांक 01.09.2016 से 14.09.2016 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया। पखवाड़े के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएं जैसे हिंदी निबंध, हिंदी शब्द एवं टिप्पण, हिंदी टाइपिंग एवं राजभाषा प्रश्नमंच आदि आयोजित की गईं। प्रतियोगिताओं में डीएफसीसीआईएल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। दिनांक 14.09.2016 को हिंदी पखवाड़े के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में प्रतियोगिताओं के विजेता एवं वर्ष के दौरान हिंदी में सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रबंध निदेशक महोदय के करकमलों से नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर माननीय रेल मंत्री जी द्वारा जारी हिंदी दिवस अपील का वाचन भी किया गया।

इसी दिन 30 जून, 2016 को समाप्त तिमाही अवधि की डीएफसीसी– आईएल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक भी संपन्न हुई। इसकी अध्यक्षता श्री आदेश शर्मा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने की। बैठक के दौरान प्रबंध निदेशक महोदय ने कार्यालय के कामकाज में हिंदी को और बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राजभाषा हिंदी का अनुपालन हमारी संवैधानिक बाध्यता के साथ–साथ कानूनी अनिवार्यता भी है।

हिंदी पखवाड़े पर आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत करते प्रबंध निदेशक श्री आदेश शर्मा

जुलाई–सितंबर 2016 तिमाही की मुख्य उपलब्धियां

प्रमुख उपलब्धियां

- **पश्चिमी डीएफसी के वैतरणा–जेएनपीटी सेक्शन के लिए सिविल व ट्रैक पैकेज (सीटीपी–11) का अवार्ड पत्र जारी कर दिया गया है।** रु. 2949 करोड़ की लागत वाले इस कॉण्ट्रैक्ट को दिनांक 15.07.2016 को मेसर्स एक्सप्रेस फ्रेट रेलवे कंसॉर्शीअम को अवार्ड किया गया। इस कंसार्शीअम में मित्सुई, इरकॉन व टाटा प्रोजेक्ट शामिल हैं।
- **179 किमी लंबे पूर्वी डीएफसी भाग–3 यानी खुर्जा–दादरी सेक्शन के पीएमसी कॉण्ट्रैक्ट के लिए दिनांक 29.07.2016 को अवार्ड पत्र जारी कर दिया गया।**
- **पश्चिमी डीएफसी में सीटीपी कॉण्ट्रैक्ट 1 व 2 के अंतर्गत रेवाड़ी–इकबालगढ़ में चल रहे सिविल कार्यों की स्थिति:** इस तिमाही के दौरान 9.41 किमी तक H/2 स्तर का फॉर्मेशन, 27.9 किमी तक H स्तर का फॉर्मेशन और 33.25 किमी ट्रैक लिंकिंग का कार्य पूरा हुआ। इस दौरान 12 बड़े और 274 छोटे पुलों का कार्य पूरा किया गया। 71 अन्य बड़े व 381 छोटे पुलों का निर्माण कार्य प्रगति पर है।
- **पूर्वी डीएफसी के भाऊपुर–खुर्जा सेक्शन में चल रहे सिविल कार्यों की स्थिति:** इस सेक्शन में कार्य तेजी से चल रहा है। उपरोक्त तिमाही के दौरान 4.5 किमी ब्लैंकेटिंग और एक छोटे पुल का निर्माण कार्य पूरा हुआ। इस दौरान 17325 मीट्रिक टन रेल व 17.16 किमी ट्रैक लिंकिंग का कार्य भी संपन्न हुआ। इस दौरान 9450 सिमेंट स्लीपर प्रोक्युर किए गए। अभी तक कुल 150 किमी ट्रैक लिंक किए गए।
- **दुर्गावती–सासाराम सेक्शन:** सोन ब्रिज का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। उपरोक्त तिमाही के दौरान 21 पीएससी बॉक्स गर्डर लॉन्च किए गए। इसी के साथ अब तक लॉन्च किए गए कुल गर्डरों की संख्या 156 हो गई है।
- **पूर्वी डीएफसी के भाऊपुर–मुगलसराय सेक्शन में चल रहे सिविल कार्यों की स्थिति:** 95% से अधिक भूमि कॉण्ट्रैक्टर को निर्माण के लिए सुपुर्द कर दी गई है। 80 किमी से अधिक के स्ट्रेच में अर्थवर्क का काम चल रहा है। 6 बड़े पुलों, 320 छोटे पुलों और 172 रेल अंडर ब्रिजों के डिजाइन अनुमोदित किये जा चुके हैं। बड़े पुलों के लिए निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। 80 से ज्यादा छोटे पुलों के सेगमेंट कास्ट किए जा चुके हैं।

पूर्वी डीएफसी

- खुर्जा–पिलखानी सेक्शन (सीपी–303) में पी क्यू मूल्यांकन का कार्य विश्व बैंक की क्लियरेंस के बाद पूरा हो चुका है। प्रथम चरण तकनीकी प्रस्ताव जमा करने के लिए कुल 13 आवेदक योग्य पाए गए हैं। Pre-Submission कॉन्फ्रेंस दिनांक 15.09.2016 को आयोजित की गई।
- खुर्जा–पिलखानी सेक्शन (सीपी– 305) में सिस्टम कार्यों के लिए दिनांक 20.09.2016 को 08 पी क्यू आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनका अवलोकन चल रहा है।
- भारतीय रेल के थ्रूपुट संवृद्धि अध्ययन के लिए प्रस्ताव निवेदन (आर.एफ.पी.) चयनित कंसलटेंटों को 22.05.2016 को जारी कर दिया गया है। 20.09.2016 को प्री–सब्मिशन कॉन्फ्रेंस आयोजित किया गया।
- भारतीय रेल में रेलवे प्लैनिंग ऐंड इंवेस्टमेंट आर्गनाइजेशन (RPIO) और स्पेशल यूनिट फॉर ट्रांसपोर्टेशन रिसर्च ऐंड अनैलिसिस (SUTRA) की ई.ओ.आई. हेतु कंसलटेंटों की शॉर्टलिस्टिंग की मूल्यांकन रिपोर्ट के लिए विश्व बैंक की क्लियरेंस दिनांक 22.08.2016 को प्राप्त कर ली गई। दिनांक 30.08.2016 को चयनित कंसलटेंटों को आर.एफ.पी जारी कर दी गई। 15.09.2016 को प्री–सब्मिशन कॉन्फ्रेंस आयोजित किया गया।
- भारतीय रेल के लिए स्पेशल रेलवे इस्टैबलिशमंट फॉर स्ट्रटीजिक टेक्नॉलजी ऐंड होलिस्टिक एडवांसमेंट स्टडी की परिशोधित (Revised) ई.ओ.आई. के लिए कंसलटेंटों की शॉर्टलिस्टिंग की मूल्यांकन रिपोर्ट विश्व बैंक की क्लियरेंस के लिए दिनांक 30.08.2016 को जमा कर दी गई। विश्व बैंक की क्लियरेंस दिनांक 06.09.2016 को प्राप्त कर ली गई। इसके बाद दिनांक 21.09.2016 को चयनित कंसलटेंटों को आर.एफ.पी. जारी कर दी गई। प्री–सब्मिशन कॉन्फ्रेंस दिनांक 03.10.2016 को आयोजित किया गया।
- पूर्वी डीएफसी के खुर्जा–पिलखानी सेक्शन में पी.एम.सी. (PMC) सेवाओं के लिए जारी ई.ओ.आई. कंसलटेंटों की शॉर्टलिस्टिंग की मूल्यांकन रिपोर्ट विश्व बैंक की क्लियरेंस के लिए दिनांक 16.09.2016 को जमा कर दी गई।
- सीपी– 104 के आई.एस.ए.(ISA) के सिगनलिंग कार्य के लिए आर.एफ.पी. की तकनीकी मूल्यांकन रिपोर्ट विश्व बैंक की क्लियरेंस के लिए दिनांक 26.09.2016 को जमा कर दी गई है।
- खुर्जा–दादरी सेक्शन (सीपी– 105) के सिस्टम कार्यों के लिए पी क्यू को विश्व बैंक की क्लियरेंस मिलने के बाद 8 आवेदन प्राप्त हुए हैं। स्पष्टीकरणों के बाद इनका मूल्यांकन जारी है।
- पिलखानी–साहनेवाल सेक्शन (सीपी– 304) के सिस्टम कार्यों के लिए पी क्यू को विश्व बैंक की क्लियरेंस मिलने के बाद 8 आवेदन प्राप्त हुए। इनका तकनीकी मूल्यांकन दिनांक 22.09.2016 को विश्व बैंक की क्लियरेंस के लिए जमा कर दिया गया है।
- पूर्वी डीएफसी भाग–3 की QSAC सेवाओं के लिए आर.एफ.पी. विश्व बैंक की सहमति के बाद चयनित कंसलटेंटों को जारी कर दिए गए थे। इन आर.एफ.पी. को प्राप्त कर लिया गया है और इनका तकनीकी मूल्यांकन विश्व बैंक की क्लियरेंस के लिए दिनांक 22.09.2016 को जमा कर दिया गया है।

पश्चिमी डीएफसी

- रेवाड़ी–दादरी सेक्शन के एकीकृत कॉण्ट्रैक्ट पैकेज–14 के लिए वित्तीय मूल्यांकन रिपोर्ट एन.ओ.सी. के लिए JICA को दिनांक 23.09.2016 को भेज दी गई है। दिनांक 14.10.2016 को कॉन्ट्रैक्ट अवार्ड कर दिया गया।
- स्पेशल ब्रिज पैकेज कॉण्ट्रैक्टरू साबरमती और माही नदियों पर पुल निर्माण का कार्य जारी है। बैचिंग प्लांटों का निर्माण कर लिया गया है और हाइड्रोलॉजिकल रिपोर्ट जमा कर दी गई है।
- ब्रिज पैकेज 15 ए, 15 बी और 15 सी के लिए कॉण्ट्रैक्ट शुरू हो गया है। सीटीपी– 15 बी और 15 सी में पुलों के लिए जिओ–टेक्निकल जांच पूरी कर ली गई है।

विविध उपलब्धियां

- 30 जून 2016 को समाप्त होने वाली तिमाही के लिए आंतरिक लेखा–परीक्षण (इंटरनल ऑडिट) का कार्य पूरा हुआ।
- डीएफसीसीआईएल में सैप का कार्यान्वयन अपने अंतिम चरण में पहुंच रहा है। एच.सी.एल लिमिटेड मड्यूल विकसित कर चुका है। सीपीएम इकाइयों में सैप विशेषज्ञों के रूप में सहायक बल उपलब्ध करा दिए गए हैं। सीपीएम इकाइयों को सैप के संपूर्ण कार्यान्वयन के निर्देश दे दिए गए हैं, ताकि विश्व बैंक को दिए गए अधिदेशों का पालन सुनिश्चित किया जा सके।
- आई.एन.डी– ए.एस. (आई.एफ.आर.एस.) का कार्यान्वयन, जो दिनांक 01.04.2016 से अनिवार्य किया जा चुका है, उसे एक वर्ष के लिए लागू करने हेतु के.पी.एम.जी. को हायर किया गया है। कार्यान्वयन आरंभ हो चुका है।
- वित्तीय वर्ष 2014–15 तथा 2015–16 के भूमि ऑडिट का कार्य

अवार्ड किया जा चुका है। यह कार्य 30.11.2016 तक पूरा होने की संभावना है।

- कंपनी अधिनियम, 2013 की अनिवार्यताओं के अनुसार तथा विश्व बैंक की वित्तीय प्रंसविदा (financial covenant) को पूरा करने के लिए रिस्क मैनेजमेंट फ्रेमवर्क को कार्यान्वित किया जा रहा है।

कंसलटेंसी सेवाएं

- **डीएफसीसीआईएल एवं इसके ग्रहण क्षेत्रों (Catchment Areas) के विपणन तथा व्यावसायिक विकास की कार्यनीति के लिए कंसलटेंसी सेवाएं:** डीएफसीसीआईएल के ग्रहण क्षेत्रों के यातायात की मार्केट रिसर्च पर सब्जेक्ट रिपोर्ट (के.डी.–2 ए) तथा आवश्यकता निर्धारण दिनांक 28.04.2016 को प्राप्त किए जा चुके हैं।
- **डीएफसीसीआईएल का संस्थागत दृढ़ता मड्यूल (Institutional Strengthening Module):** सुरक्षा पर परिशोधित कार्यनीति रिपोर्ट (के.डी.– 3) दिनांक 26.09.2016 को प्राप्त किया गया। कंसलटेंट, विश्व बैंक के अधिकारियों तथा डीएफसीसीआईएल समिति सदस्यों के साथ प्रगति समीक्षा बैठक दिनांक 06.09.2016 एवं 23.09.2016 को आयोजित की गई।
- **भारत में भारी ढुलाई रेल क्षमता विकास (HHRCDI):** कंसलटेंट, विश्व बैंक के अधिकारियों तथा डीएफसीसीआईएल समिति सदस्यों के साथ प्रगति समीक्षा बैठक दिनांक 07.09.2016 को आयोजित की गई।

भूमि अधिग्रहण

- धारा 20 एफ के अंतर्गत सितंबर 2016 तक कुल 10407 हेक्टेयर यानी लगभग 93.5% भूमि (सोननगर–डानकुनि सेक्शन को छोड़कर) अधिग्रहित की जा चुकी है। इसमें पश्चिमी डीएफसी की 6000 हेक्टेयर में से 5775 हेक्टेयर तथा पूर्वी डीएफसी की कुल 5765 हेक्टयर में से 4632 हेक्टेयर भूमि शामिल है। इसकी एवज में सितंबर 2016 तक कुल रु. 9450 करोड़ (पश्चिमी डीएफसी– रु. 4969 करोड़, पूर्वी डीएफसी– रु. 4481 करोड़) का मुआवजा वितरित किया जा चुका है। सोननगर–डानकुनि सेक्शन, जिसका निर्माण पी.पी.पी. के अंतर्गत किया जाना है, को शामिल करने पर भूमि अधिग्रहण का प्रतिशत 88.4 है।

मानव संसाधन

- विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं कार्यशालाओं में डीएफसीसीआईएल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। विभिन्न विषयों पर आयोजित अलग–अलग कार्यक्रमों में कुल 98 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने हिस्सा लिया।
- इस तिमाही के दौरान 19 अधिकारियों/कर्मचारियों ने प्रतिनियुक्ति (deputation) पर डीएफसीसीआईएल ज्वाइन किया।
- सहायक/सिविल के पद पर चयनित उन 38 उम्मीदवारों को ऑफर लेटर जारी कर दिया गया, जो चिकित्सीय रूप से फिट घोषित कर दिए गए थे। इनमें से 17 उम्मीदवारों ने डीएफसीसीआईएल ज्वाइन कर लिया है।
- तिमाही के दौरान सहायक प्रबंधक के 12 पदों के लिए इंटरव्यू आयोजित हुए था 12 उम्मीदवारों का साइको टेस्ट कराया गया।
- 01.09.2016 को बैंगलुरू में आयोजित एक समारोह डीएफसीसी–आईएल को उन शीर्ष 50 लोक उपक्रमों में शामिल किया गया, जिन्होंने मानव संसाधन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किया है।

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सी.एस.आर.) तथा कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन

- डीएफसीसीआईएल द्वारा सी.एस.आर. के क्षेत्र में की गई पहल तथा जारी गतिविधियों को CSR Show & CSR Good Book 2016 में शामिल किया गया।
- तिमाही के दौरान 98 नए ट्वीट संदेश, 15 नए फेसबुक पोस्ट, संबंधित फोटोग्राफ के साथ सोशल मीडिया पर शेयर किए गए। इसके अतिरिक्त दो नए विडियो भी डीएफसीसीआईएल के आधिकारिक यू ट्यूब चौनल पर अपलोड किए गए।
- डीएफसीसीआईएल के आधिकारिक यू–ट्यूब चैनल को कस्टमाइज्ड यू.आर.एल. प्राप्त हुआ। अब यू ट्यूब चौनल तक www.youtube.com/dfccilindia लिंक के जरिए पहुंचा जा सकता है।

श्री रॉलैंड के. पीटर्स, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट, वर्ल्ड बैंक ने 23.09.2016 को श्री आदेश शर्मा, प्रबंध निदेशक, डीएफसीसीआईएल के साथ पूर्वी डीएफसी के निर्माण स्थलों का दौरा किया।

World Bank Procurement - Basic Features

Eastern Dedicated Freight Corridor from Mughalsarai to Ludhiana is being financed by World Bank and as per the loan condition, Procurement procedures, Procurement documents of funding agency i.e. World Bank are being followed. Basic features of the World Bank Procurement are as given below.

Procurement is being carried out in accordance with the World Bank's "Guidelines: Procurement under IBRD Loans and IDA Credits" dated January 2011 (Procurement Guidelines), and "Guidelines: Selection and Employment of Consultants by World Bank Borrowers" dated January 2011 (Consultant Guidelines).

GPN (General Procurement Notice) for the project is published in the Newspapers, UNDB online (through Client Connection of World Bank), DFCCIL website for creating awareness among bidders/consultants regarding opportunities and interested applicants are advised to contact the client so that they can be advised personally at the time when the opportunity arises.

Contract Strategy for the project is finalized in consultation with World Bank which include numbers of contracts/packages/ single package/multiple packages etc. Design Built Lump-Sum Contract has been adopted for Works Contract.

Procurement Plan for all activities are prepared and World Bank clearance is taken. This Procurement Plan is regularly updated with revised and actual timelines for each activity till the award of contract. Depending upon the value of contract, prior review/post review by the World Bank is decided and all prior review contracts will require World Bank clearance at every stage of Procurement.

A. For Works Contract, Prequalification followed by Two Stage Bidding is being adopted for EDFC Project. At Prequalification stage, SPN (Specific Procurement Notice) is published in Newspapers, DFCCIL Website and UNDB online.

After the Prequalification process, First Stage Technical proposals are invited from Prequalified bidders and during the technical evaluation process, bidders qualification regarding continue to meet the requirement of PQ stage, personnel proposed for the work, equipment availability, sub-contractor/supplier for the work proposed, method statement, organization and management, work plan, documents related to safety, quality, environmental, risk management plan, performance parameter compliance with respect to Employer's requirements are evaluated and based on the technical evaluation, Memorandum titled "Changes Required Pursuant to First Stage Evaluation." are finalized and Second Stage Financial Bids are invited from technical qualified bidders and bidders are supposed to indicate Price for Memorandum complied and technically complied bid.

During the Second Stage Financial Evaluation, lowest evaluated bidder is recommended for award of the contract. Contract Agreement is signed and award is published on UNDB online (through Client Connection of World Bank).

World Bank procedures also permit unsuccessful bidders to request (in writing) the grounds on which their bids were not selected.

B. For Consultancy Contract, QCBS (Quality and Cost Based Selection) procedure is being adopted. Depending upon the nature of the Consultancy, Standard Time based/Lump-sum contract document of World Bank are adopted.

For inviting Consultant, first EOI (Expression of Interest) is published in the Newspapers, DFCCIL website and UNDB online.

After finalization of shortlist (which consist of 6 consultants with wide geographical spread and no more 2 consultants from one country and at least 1 consultant from developing country) RFP is issued to shortlisted consultants.

RFP submitted by the consultants consist of technical proposal as well as financial offer in separate sealed envelope. During the evaluation process, financial proposal envelops are kept with independent authority and evaluation committee members do not have access to financial offers before financial opening.

Technical evaluations are done by evaluation committee members independently based on technical evaluation criteria as included in the RFP. After the independent evaluation, technical scores are averaged out and evaluation report finalized.

Consultant which scores more than required technical score to pass are invited for opening of their financial proposals in their presence.

After the opening of financial proposals, combined evaluation report is finalized based on weightage specified for technical and financial scores and consultant with highest combined score is invited for contract negotiation.

After the contract negotiation, contract agreement is signed and award notice is published on UNDB online.

Consultancy document also provides for provision of debriefing to the consultant who request the client for the same.

Ajay Kumar
ED/EDFC

माह के उत्कृष्ट कर्मचारी

जुलाई 2016

श्री गिरीश कुमार निम
सहायक प्रबंधन, मानव संसाधन
कॉर्पोरेट कार्यालय

अगस्त 2016

श्रीमति अंजना श्रीवास्तव
सहायक प्रबंधक/मानव संसाधन
कॉर्पोरेट कार्यालय

सितंबर 2016

श्री नितिश कुमार
कार्यकारी एसएडटी
अंबाला

कार्य की प्रगति

पश्चिमी डीएफसी के रेवाड़ी–इक़बालगढ़ में जयपुर के पास पुल निर्माण का कार्य प्रगति पर

पूर्वी डीएफसी के खुर्जा–भाऊपुर सेक्शन में टूंडला के पास रेल फ्लाईओवर निर्माण का कार्य प्रगति पर

पूर्वी डीएफसी के खुर्जा–भाऊपुर सेक्शन में भदान के पास ट्रैक लेइंग का कार्य प्रगति पर

डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा प्रकाशित। कृपया पत्र–व्यवहार इस पते पर करें: संपादक, डीएफसी समाचार, चतुर्थ तल, प्रगति मैदान, मेट्रो स्टेशन भवन परिसर, नई दिल्ली– 110001, फैक्स 91-112345827, ईमेल: jkjain@dfcc.co.in, rkhare@dfcc.co.in

वेबसाइट: www.dfccil.gov.in **संपादक:** जे.के. जैन, **सह-संपादक:** राजेश खरे

www.facebook.com/dfccil.india **www.twitter.com/dfccil_india** **www.youtube.com/dfccilindia**